|  |  |
| --- | --- |
|  | «dAiÀÄ£ÀUÀgÀ ²æÃ PÀÈµÀÚzÉÃªÀgÁAiÀÄ «±Àé«zÁå®AiÀÄ, §¼Áîj  **eÁÕ£À¸ÁUÀgÀ DªÀgÀt, «£ÁAiÀÄPÀ£ÀUÀgÀ, PÀAmÉÆÃ£ÉäAmï, §¼Áîj – 583 104.** |
| **¸ÀASÉå:«²æÃPÀÈ«§/PÁCªÀÄA/¸ÀAAiÉÆÃd£É/2012-13/ ¢£ÁAPÀ:**  **£ÀªÀÄÆ£É – 2**  **2017-18£ÉÃ ±ÉÊPÀëtÂPÀ ¸Á°UÉ ¸ÀAAiÉÆÃd£Á ªÀÄÄAzÀÄªÀjPÉ ªÀÄAdÆgÁw PÀÄjvÀAvÉ ¸ÀÜ½ÃAiÀÄ «ZÁgÀuÁ ¸À«ÄwAiÀÄ ªÀgÀ¢.**  **D¥ÉÃQë¹gÀÄªÀ PÉÆÃ¸ÀÄðUÀ¼ÀÄ: ©.PÁA(ºÉÆ¸À PÉÆÃ¸ïð)** | |

**¨sÉÃn ¤ÃqÀ°gÀÄªÀ ¸ÀAAiÉÆÃd£Á ¸À«ÄwAiÀÄ ¸ÀzÀ¸ÀågÀÄ**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 1. |  | CzsÀåPÀëgÀÄ |
| 2. |  | ¸ÀzÀ¸ÀågÀÄ |
| 3. |  | ¸ÀzÀ¸ÀågÀÄ |
| 4. |  | ¸ÀzÀ¸ÀågÀÄ |
| 5. |  | ¸ÀzÀ¸ÀågÀÄ |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1 | PÁ¯ÉÃf£À ºÉ¸ÀgÀÄ : | | |  | | | | | | | |
| C | CAZÉ «¼Á¸À (¦£ïPÉÆÃqï£ÉÆA¢UÉ) : | | |  | | | | | | | |
| 2 | PÁ¯ÉÃd£ÀÄß ¤ªÀð»¸ÀÄwÛgÀÄªÀ ¸ÀAWÀzÀ ºÉ¸ÀgÀÄ: | | |  | | | | | | | |
| 3 | ¸ÀA¸ÉÜAiÀÄÄ ¥ÀeÁ/¥À¥À/C®à¸ÀASÁåvÀgÀ ªÀUÀðPÉÌ ¸ÀA§A¢ü¹zÉÝ? EzÀPÉÌ ¥ÀÆgÀPÀªÁzÀ ¥ÀæwAiÀÄ£ÀÄß ®UÀwÛ¸ÀÄªÀÅzÀÄ. | | |  | | | | | | | |
| C | PÁ¯ÉÃdÄ ¸ÁÜ¥À£ÉAiÀiÁzÀ ªÀµÀð: | | |  | | | | | | | |
| D | PÁ¯ÉÃdÄ ¸ÀPÁðgÀ/SÁ¸ÀV/C£ÀÄzÁ¤vÀ/SÁ¸ÀV-C£ÀÄzÁ£ÀgÀ»vÀ | | |  | | | | | | | |
| E | ¥ÁæA±ÀÄ¥Á®gÀ ºÉ¸ÀgÀÄ, «zÁåºÀðvÉ £ÉÃªÀÄPÀUÉÆAqÀ ¢£ÁAPÀ (DzÉÃ±À ¸ÀASÉå ªÀÄvÀÄÛ ¢£ÁAPÀ) CAZÉ «¼Á¸À, zÀÆgÀªÁtÂ ¸ÀASÉå, ¥sÁåPïì ªÀÄvÀÄÛ ªÉÆ¨ÉÊ¯ï: | | |  | | | | | | | |
| 4 | ¸ÀAWÀªÀÅ ¤ªÀð»¸ÀÄwÛgÀÄªÀ EvÀgÀ ±ÉÊPÀëtÂPÀ ¸ÀA¸ÉÜUÀ¼ÀÄ, PÁ¯ÉÃdÄUÀ¼ÀÄ ªÀÄvÀÄÛ ±Á¯ÉUÀ¼À ºÉ¸ÀgÀÄ: | | |  | | | | | | | |
| 5 C | PÁ¯ÉÃdÄ DqÀ½vÀ ªÀÄAqÀ½AiÀÄ gÀZÀ£É  (C£ÀÄ§AzsÀ J £À°è ¥ÀnÖAiÀÄ£ÀÄß ®UÀwÛ¸À¨ÉÃPÀÄ): | | |  | | | | | | | |
| D | F ¸Á°£À°è £ÀqÉ¹zÀ DqÀ½vÀ ªÀÄAqÀ½ ¸À¨sÉUÀ¼À ¸ÀASÉå | | |  | | | | | | | |
| 6 C | FVgÀÄªÀ ²PÀëtUÀ¼ÀÄ, ¸ÀAAiÉÆÃd£ÉAiÀÄ£ÀÄß £À«ÃPÀj¸À¨ÉÃPÁzÀ «µÀAiÀÄUÀ½UÉ ¸ÀA§A¢ü¹zÀ «ªÀgÀUÀ¼ÀÄ (ªÀiÁ»wAiÀÄ£ÀÄß C£ÀÄ§AzsÀ © AiÀÄ°è ¥ÀævÉåÃPÀªÁV MzÀV¸À¨ÉÃPÀÄ) | | |  | | | | | | | |
| D | DgÀA©ü¸À¨ÉÃPÉAzÀÄ ¥Àæ¸ÁÛ¦¹gÀÄªÀ ºÉÆ¸À ²PÀëtUÀ¼ÀÄ CxÀªÁ «µÀAiÀÄUÀ¼ÀÄ | | |  | | | | | | | |
| E | JL¹nE/©¹L/J£ï¹nE CxÀªÁ CAvÀºÀ ¥Áæ¢üPÁgÀUÀ¼À C£ÀÄªÉÆÃzÀ£É/M¦àUÉ ¥ÀqÉAiÀÄ¯ÁVzÉAiÉÄÃ? | | |  | | | | | | | |
| 7 C | ¥ÀzÀ« ²PÀëtUÀ¼À°è CzsÀåAiÀÄ£À ªÀiÁqÀÄwÛgÀÄªÀ «zÁåyðUÀ¼À MlÄÖ ¸ÀASÉå (vÀgÀUÀwªÁgÀÄ ªÀÄvÀÄÛ ¸ÀAAiÉÆÃd£ÉªÁgÀÄ) (C£ÀÄ§AzsÀ ¹-1) | | |  | | | | | | | |
| D | C£ÀÄ§AzsÀ ¹-2gÀ°è ¥Àæ¸ÀPÀÛ ±ÉÊPÀëtÂPÀ ªÀµÀðzÀ°è£À «zÁåyðUÀ¼À ¥ÀæªÉÃ±À «ÄwAiÀÄ£ÀÄß MzÀV¸À¨ÉÃPÀÄ : | | |  | | | | | | | |
| E | EvÀgÉ «±Àé«zÁå¤®AiÀÄUÀ¼À/¸ÀA¸ÉÜUÀ¼À CzsÀåAiÀÄ£À PÉÃAzÀæ PÁAiÀÄðPÀæªÀÄ ªÀiÁ»wAiÀÄ£ÀÄß PÁ¯ÉÃdÄ ºÉÆA¢zÉAiÉÄÃ? | | |  | | | | | | | |
| F | ºÉÆA¢zÀÝgÉ «dAiÀÄ£ÀUÀgÀ ²æÃ PÀÈµÀÚzÉÃªÀgÁAiÀÄ «±Àé«zÁå¤®AiÀÄ¢AzÀ C£ÀÄªÀÄw ¥ÀqÉAiÀÄ¯ÁVzÉAiÉÄÃ? | | |  | | | | | | | |
| G | ©.Jqï.PÁ¯ÉÃf£À G¥À£Áå¸ÀPÀgÀ ºÀÄzÉÝAiÀÄ £ÉÃªÀÄPÁwAiÀÄÄ «±Àé«zÁå® AiÀÄ¢AzÀ C£ÀÄªÉÆÃzÀ£É DVzÉAiÉÆÃ? ¥ÀæwAiÀÄ£ÀÄß ®UÀwÛ¸ÀÄªÀÅzÀÄ. | | |  | | | | | | | |
| 8 | PÀlÖqÀUÀ¼À «ªÀgÀUÀ¼ÀÄ: ¤ªÀðºÀuÁ ªÀÄAqÀ½AiÀÄÄ ¸ÀéAvÀ PÀlÖqÀ ºÉÆA¢zÉAiÉÄÃ CxÀªÁ ¨ÁrUÉAiÀÄzÉ? | | |  | | | | | | | |
| C | G¥À£Áå¸À PÉÆoÀrUÀ¼ÀÄ | | |  | | | | | | | |
| D | ¥ÁæA±ÀÄ¥Á®gÀ ¸À¨sÁAUÀt | | |  | | | | | | | |
| E | ¥ÁæA±ÀÄ¥Á®gÀ PÉÆoÀr | | |  | | | | | | | |
| F | PÀbÉÃj PÉÆoÀr | | |  | | | | | | | |
| G | ¹§âA¢ PÉÆoÀr | | |  | | | | | | | |
| H | UÀæAxÁ®AiÀÄ ªÀÄvÀÄÛ ªÁZÀ£Á®AiÀÄ | | |  | | | | | | | |
| IÄ | ªÀÄ»¼Á PÉÆoÀr | | |  | | | | | | | |
| J | ªÀ¸ÀÄÛ ¸ÀAUÀæºÁ®AiÀÄ | | |  | | | | | | | |
| K | £ÉÊªÀÄð®å ¸Ë®¨sÀåUÀ¼ÀÄ | | |  | | | | | | | |
| L | ¸À¨sÁAUÀt | | |  | | | | | | | |
| M | ªÀ¸Àw¤®AiÀÄ | | |  | | | | | | | |
| N | DlzÀ ªÉÄÊzÁ£À (C¼ÀvÉAiÉÆA¢UÉ) | | |  | | | | | | | |
| O | G¥ÀºÁgÀ UÀÈºÀ | | |  | | | | | | | |
| CA | DgÉÆÃUÀå PÉÃAzÀæ | | |  | | | | | | | |
| CB | ¥Àæ¸ÁÛ«vÀ PÀlÖqÀ CxÀªÁ ¤ªÀiÁðtzÀ°ègÀÄªÀ PÀlÖqÀ (PÀlÖqÀzÀ £ÀPÁ±É ªÀÄvÀÄÛ DyðPÀ ¸ÀA¥À£ÀÆä®UÀ¼À «ªÀgÀUÀ¼À£ÀÄß ®UÀwÛ¹) | | |  | | | | | | | |
| PÀ | ¥ÀæAiÉÆÃUÁ®AiÀÄUÀ¼ÀÄ, G¥ÀPÀgÀtUÀ¼ÀÄ ªÀÄwÛvÀgÀ ®¨sÀå ¨ÉÆÃzsÀ£Á ¸À®PÀgÀtÂUÀ¼ÀÄ («ªÀgÀUÀ¼À£ÀÄß MzÀV¹) | | |  | | | | | | | |
| R | MzÀV¹gÀÄªÀ EvÀgÉ ¸Ë®¨sÀåUÀ¼ÀÄ: PÀA¥ÀÆålgï, EAlgï£Émï, fgÁPïì ªÀÄÄAvÁzÀªÀÅ («ªÀgÀUÀ¼À£ÀÄß MzÀV¹): | | |  | | | | | | | |
| 9 C | ¨ÉÆÃzsÀPÀ ¹§âA¢ ¸ÀzÀ¸ÀågÀÄUÀ¼À (zÉÊ»PÀ ²PÀët ¤zÉÃð±ÀPÀgÀÄ ªÀÄvÀÄÛ UÀæAxÁ¥Á®PÀgÀÄ ¸ÉÃjzÀAvÉ) ºÉ¸ÀgÀÄ, «zÁåºÀðvÉ, ¨ÉÆÃzsÀ£Á£ÀÄ¨sÀªÀ ºÁUÀÆ ºÀAaPÉAiÀiÁVgÀÄªÀ PÉ®¸ÀzÀ ¥ÀæªÀiÁt ªÀÄÄAvÁzÀªÀÀ£ÀÄß ¤ÃqÀ¨ÉÃPÀÄ (C£ÀÄ§AzsÀ r) | | |  | | | | | | | |
| D | MlÄÖ PÉ®¸ÀzÀ ºÉÆgÉ – «µÀAiÀÄªÁgÀÄ/ªÀµÀðªÁgÀÄ (¸À«ªÀgÀ ¥ÀnÖAiÀÄ£ÀÄß MzÀV¸ÀvÀPÀÌzÀÄÝ) (C£ÀÄ§AzsÀ E) | | |  | | | | | | | |
| E | C£ÀÄ§AzsÀ ‘J¥sï’ £À°è CzsÁå¥ÀPÉÃvÀgÀ ¹§âA¢ ¸ÀzÀ¸ÀågÀÄUÀ¼À ºÉ¸ÀgÀÄUÀ¼À£ÀÄß ¤Ãr. | | |  | | | | | | | |
| F | PÁ¯ÉÃf£À°è £ÉÃªÀÄPÀ ªÀiÁqÀÄªÁUÀ gÉÆÃ¸ÀÖgï ¥ÀzÀÞwAiÀÄ£ÀÄß C£ÀÄ¸Àj¹gÀÄªÀÅzÀPÉÌ ¸ÁQë | | |  | | | | | | | |
| G | «zÁåyðUÀ¼ÀÄ ªÀÄvÀÄÛ CzsÁå¥ÀPÀgÀ ¥ÀæªÀiÁt | | |  | | | | | | | |
| 10C | PÀ¼ÉzÀ vÀ¥Á¸ÀuÉ ¢£ÁAPÀzÀAzÀÄ EgÀÄªÀ UÀæAxÁ®AiÀÄ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀUÀ¼ÀÄ (C£ÀÄ§AzsÀ f AiÀÄ°è MzÀV¹) | | | «µÀAiÀÄ | | ¥ÀÄ¸ÀÛPÀUÀ¼À ¸ÀASÉå | | | | ªÀiË®å | |
|  | | | | | | | |
| D | F ªÀgÉUÉ ¸ÉÃjgÀÄªÀ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀUÀ¼ÀÄ | | |  | | | | | | | |
| E | vÀ¥Á¸ÀuÁ ¢£ÁAPÀzÀAzÀÄ EgÀÄªÀ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀUÀ¼À ¸ÀASÉå | | |  | | | | | | | |
| F | ZÀAzÁzÁgÀgÁVgÀÄªÀ ¥ÀwæPÉUÀ¼ÀÄ/¤AiÀÄvÀPÁ°PÉUÀ¼À ¸ÀASÉå (¥ÀnÖ ®UÀwÛ¹) | | |  | | | | | | | |
| G | PÀ¼ÉzÀ ªÀÄÆgÀÄ ªÀµÀðUÀ¼À°è RjÃ¢¹zÀÀ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀUÀ¼À ¸ÀASÉå ºÁUÀÆ ªÉZÀÑªÀiÁrzÀ ªÉÆ§®UÀÄ (C£ÀÄ§AzsÀ ºÉZï gÀ°è MzÀV¹) | | |  | | | | | | | |
| H | «±Àé«zÁå¤®AiÀÄ zsÀ£À¸ÀºÁAiÀi DAiÉÆÃUÀ¤AiÀÄªÀÄUÀ½UÀ£ÀÄ¸ÁgÀ «zÁåºÀðvÉAiÀÄ£ÀÄß ºÉÆA¢gÀÄªÀ UÀæAxÀ¥Á®PÀgÀ£ÀÄß £ÉÃ«Ä¸À¯ÁVzÉAiÉÄÃ? | | |  | | | | | | | |
| 11 | ¸ÀA¸ÉÜAiÀÄ ºÀtPÁ¸ÀÄ ¹Üw | | | ¥Á¸ï §ÄPï ¸ÀASÉå: | | | ªÉÆ§®UÀÄ | | | | ¨ÁåAQ£À ºÉ¸ÀgÀÄ |
| C | D¹ÛUÀ¼À ªÀÄÆ®PÀ ¸ÀA¥À£ÀÆä®UÀ¼ÀÄ (gÁdå ¸ÀPÁðgÀ) | | |  | | | | | | | |
| D | ¸ÀA¥À£ÀÆä®UÀ¼ÀÄ zsÀ£À¸ÀºÁAiÀÄzÀ ªÀÄÆ®PÀ, EzÀÝ°è (gÁdå ¸ÀPÁðgÀ) | | |  | | | | | | | |
| E | «±Àé«zÁå¤®AiÀÄ zsÀ£À¸ÀºÁAiÀÄ DAiÉÆÃUÀzÀ ªÀÄÆ®PÀ¸ÀA¥À£ÀÆä®UÀ¼ÀÄ | | |  | | | | | | | |
| F | PÁ¯ÉÃdÄ ¨ÁåAQ£À°è ºÉÆA¢gÀÄªÀ £ÀUÀzÀÄ ºÀt | | |  | | | | | | | |
| G | ¤ªÀðºÀuÁ ªÀÄAqÀ½AiÀÄÄ ¨ÁåAQ£À°è ºÉÆA¢gÀÄªÀ £ÀUÀzÀÄ | | |  | | | | | | | |
| H | PÉÊAiÀÄ°ègÀÄªÀ £ÀUÀzÀÄ ºÀt | | |  | | | | | | | |
| IÄ | QæÃqÉ, ¸ÀAWÀ, ªÀÄvÀÄÛ ªÁZÀ£Á®AiÀÄ ±ÀÄ®Ì ªÀÄÄAvÁzÀªÀÅUÀ½AzÀ §AzÀ DzÁAiÀÄ | | |  | | | | | | | |
| J | PÁ¯ÉÃf£À PÀ¼ÉzÀ 5 ªÀµÀðUÀ¼À ¯ÉPÀÌUÀ¼À£ÀÄß PÀæªÀÄªÁV ¥Àj±ÉÆÃ¢ü¸À¯ÁVzÉAiÉÄÃ? (¯ÉPÀÌ ¥Àj±ÉÆÃzsÀ£Á ªÀgÀ¢AiÀÄ£ÀÄß®UÀwÛ¹) | | |  | | | | | | | |
| 12 | PÁ¯ÉÃdÄ GzÉÆåÃVUÀ½UÉ ¨sÀ«µÀå¤¢ü/n©J¸ïAiÉÆÃd£ÉAiÀÄ£ÀÄß DgÀA©ü¸À¯ÁVzÉAiÉÄÃ, ºÁVzÀÝ°è JA¢¤AzÀ? | | |  | | | | | | | |
| C | CzÀ£ÀÄß ¥ÀævÉåÃPÀ ¯ÉPÀÌzÀ°è EqÀ¯ÁVzÉAiÉÄÃ? | | | ¯ÉPÀÌ¸ÀASÉå | | ªÉÆ§®UÀÄ | | | ¨ÁåAQ£À ºÉ¸ÀgÀÄ | | |
| D | ¤ªÀðºÀuÁªÀÄAqÀ½AiÀÄ ¨sÁUÀªÀ£ÀÄß ¥ÀæwwAUÀ¼ÀÄ ¸ÉÃj¸À¯ÁUÀÄwÛzÉAiÉÄÃ? | | |  | | | | | | | |
| 13 | §AqÀªÁ¼À ¤¢üUÉ ¸ÀA§A¢ü¹zÀAvÉ CUÀvÀå ªÉÆvÀÛªÀ£ÀÄß ¤ªÀðºÀuÁ ªÀÄAqÀ½ oÉÃªÀtÂ Ej¹zÉAiÉÄ ºÁUÀÆ gÀ¹Ã¢/¨ÁAqï£ÀÄß «±Àé«zÁå¤®AiÀÄPÉÌ MvÉÛ Ej¹zÀAiÉÄÃ? ºÁVzÀÝ°è «ªÀgÀUÀ¼À£ÀÄß ¤Ãr. | | |  | | | | | | | |
| 14 | ªÀ¸ÀÆ®Ä ªÀiÁqÀÄwÛgÀÄªÀ ¨ÉÆÃzsÀ£À ªÀÄwÛvÀgÀ ±ÀÄ®ÌzÀ zÀgÀUÀ¼ÀÄ ºÁUÀÆ F zÀgÀUÀ¼ÀÄ «±Àé«zÁå¤®AiÀÄ/¸ÀPÁðgÀ ¤UÀ¢UÉÆ½¹gÀÄªÀ zÀgÀUÀ½UÉ C£ÀÄUÀÄtªÁVzÉAiÉÄÃ? | | |  | | | | | | | |
| 15 | «±ÉÃµÀ gÀ²Ã¢ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀUÀ¼À£ÀÄß ªÀÄÄ¢æ¸À¯ÁVzÉAiÉÄ ºÁUÀÆ ¥ÀæªÉÃ±Áw ¤UÀ¢UÉÆ½¹gÀÄªÀ ¥ÀæªÉÃ±À«ÄwAiÉÆ¼*ÀVzÉAiÉÆÃ* JAzÀÄ w½zÀÄPÉÆ¼Àî®Ä ¸ÁzsÀåªÁUÀÄªÀAvÉ gÀ¹Ã¢UÀ¼À£ÀÄß «zÁåyðUÀ½UÉ ¤ÃqÀ¯ÁUÀÄwÛzÉAiÉÄÃ? | | |  | | | | | | | |
| 16 | «zÁåyðUÀ½AzÀ ªÀ¸ÀÆ®Ä ªÀiÁqÀÄwÛgÀÄªÀ F PÉ¼ÀV£À ±ÀÄ®ÌUÀ¼À£ÀÄß «±Àé«zÁå¤®AiÀÄ ¸ÀA§AzsÀ¥ÀlÖ ¯ÉPÀÌUÀ½UÉ dªÀiÁ ªÀiÁqÀ¯ÁUÀÄwÛzÉAiÉÄÃ?  **F PÉ¼ÀV£ÀAvÉ (2017-18)) ªÀ¸ÀÆ®Ä ªÀiÁr, «±Àé«zÁå¤®AiÀÄ ¸ÀA§AzsÀ¥ÀlÖ ¯ÉPÀÌUÀ½UÉ dªÀiÁ ªÀiÁqÀ¯ÁVzÉ :** | | | | | | | | | | |
|  | ±ÀÄ®ÌzÀ ºÉ¸ÀgÀÄ | ±ÀÄ®ÌzÀ ªÉÆvÀÛ | ªÀµÀðzÀ CªÀ¢üAiÀÄ°è ¥ÀæªÉÃ±À ªÀiÁrPÉÆAqÀ «zÁåyðUÀ¼À ¸ÀASÉå 1 / 2 / 3 ªÀµÀð | | ªÀ¸ÀÆ®Ä ªÀiÁrzÀ ªÉÆ§®UÀÄ | | | MlÄÖ ªÉÆvÀÛ ZÀÀ®£ï ¸ÀASÉå ªÀÄvÀÄÛ ¢£ÁAPÀ | | | |
| C | £ÉÆAzÀtÂ ±ÀÄ®Ì |  |  | |  | | |  | | | |
| D | CºÀðvÁ ±ÀÄ®Ì |  |  | |  | | |  | | | |
| E | PÁ¥Àð¸ï ±ÀÄ®Ì |  |  | |  | | |  | | | |
| F | ªÀÄÄAzÀÄªÀjPÉ ±ÀÄ®Ì |  |  | |  | | |  | | | |
| G | PÀ®ÑgÀ¯ï ±ÀÄ®Ì |  |  | |  | | |  | | | |
| H | PÀA. ¥ÀjÃPÁë Cfð ±ÀÄ®Ì |  |  | |  | | |  | | | |
| IÄ | QæÃqÁ ±ÀÄ®Ì |  |  | |  | | |  | | | |
| J | J£ï.J¸ï.J¸ï. ±ÀÄ®Ì |  |  | |  | | |  | | | |
| K | PÀjAiÀÄgï UÉÊqÉ£ïì |  |  | |  | | |  | | | |
| 17 C | «zÁåyðUÀ½UÉ «zÁåyð¤®AiÀÄ ¸Ë®¨sÀåUÀ¼À£ÀÄß MzÀV¸À¯ÁVzÉAiÉÄÃ? ºÁVzÀÝ°è «ªÀgÀUÀ¼À£ÀÄß ¤Ãr | |  | | | | | | | | |
| D | «zÁåyð ¤®AiÀÄzÀ PÀlÖqÀ ¸ÀéAvÀzÉÝ/¨ÁrUÉAiÀÄzÉ? | |  | | | | | | | | |
| 18 | ¥Àæ¸ÀPÀÛ ªÀµÀðzÀ CªÀ¢üAiÀÄ°è «zÁåyðUÀ¼À ªÉÊzÀåQÃAiÀÄ vÀ¥Á¸ÀuÉ £ÀqÉ¸À¯ÁVzÉAiÉÄÃ? | |  | | | | | | | | |
| 19 | ¥ÁæA±ÀÄ¥Á®gÀÄ/¨ÉÆÃzsÀ£À ¹§âA¢UÉ ªÀ¸Àw ¤®AiÀÄ ¸Ë®¨sÀåUÀ½UÉ ¸ÀA§A¢ü¹zÀ «ªÀgÀUÀ¼ÀÄ | |  | | | | | | | | |
| 20 | »A¢£À ªÀiÁ£ÀåvÉ DAiÉÆÃUÀzÀ ªÀgÀ¢AiÀÄ ¤§AzsÀ£ÉUÀ¼À£ÀÄß ¥ÀÆgÉÊ¸À®Ä vÉUÉzÀÄPÉÆArgÀÄªÀ PÀæªÀÄ (C£ÀÄ§AzsÀ-L £À°è) | |  | | | | | | | | |
| 21 | F PÉ¼ÀV£À jf¸ÀÖgïUÀ¼À£ÀÄß ¤ªÀð»¸À¯ÁVzÉAiÉÄÃ ? | |  | | | | | | | | |
| C | «zÁåyðUÀ¼À ¥ÀæªÉÃ±Áw ¥ÀÄ¸ÀÛPÀ | | | | |  | | | | | |
| D | ««zsÀ «µÀAiÀÄUÀ¼À «zÁåyðUÀ¼À ºÁdgÁw ¥ÀÄ¸ÀÛPÀ | | | | |  | | | | | |
| E | ªÀ¸ÀÆ®Ä ªÀiÁrzÀ ±ÀÄ®ÌUÀ¼À ¥ÀÄ¸ÀÛPÀ (±ÀÄ®Ì ªÀ¸ÀÆ¯Áw ¥ÀÄ¸ÀÛPÀ) | | | | |  | | | | | |
| F | gÀ¹Ã¢ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀUÀ¼À ¥ÀPÀÌ ¥ÀæwUÀ¼ÀÄ (PËAlgï ¥sÉÊ¯ïUÀ¼ÀÄ) | | | | |  | | | | | |
| G | £ÀUÀzÀÄ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀ | | | | |  | | | | | |
| H | ªÀUÁðªÀuÉ ¥ÀæªÀiÁt ¥ÀvÀæUÀ¼À ¥ÀPÀÌ ¥ÀæwUÀ¼ÀÄ | | | | |  | | | | | |
| IÄ | ¨ÉÆÃzsÀPÀ ªÀÄvÀÄÛ ¨ÉÆÃzsÀPÉÃvÀgÀ ¹§âA¢UÀ¼À ¸ÉÃªÁ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀUÀ¼ÀÄ | | | | |  | | | | | |
| J | ¥ÀæwAiÉÆ§â «zÁåyðAiÀÄÆ «±Àé«zÁå¤®AiÀÄ ¥ÀjÃPÉëUÀ¼À°è (ªÁ¶ðPÀ ªÀÄvÀÄÛ ¥ÀÆgÀPÀ/ ZÀvÀÄªÀiÁð¸À) UÀ½¹zÀ CAPÀUÀ¼À zÁR¯É ¥ÀÄ¸ÀÛPÀ | | | | |  | | | | | |
| K | ªÉÃvÀ£À §qÀªÁuÉ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀ/gÉÆÃ¯ï | | | | |  | | | | | |
| L | ¹§âA¢AiÀÄ ¸ÀzÀ¸ÀågÀ «zÁåºÀðvÉ, »A¢£À C£ÀÄ¨sÀªÀ, ¸ÀA§¼À, PÉ®¸ÀPÉÌ ¸ÉÃjzÀ ¢£ÁAPÀ, ªÀÄÄAvÁzÀªÀÅUÀ¼À£ÀÄß vÉÆÃj¸ÀÄªÀ ¹§âA¢ C£ÀÄ¸ÀÆa CxÀªÁ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀUÀ¼ÀÄ | | | | |  | | | | | |
| M | ºÀt PÀrvÀUÀ¼ÀÄ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀ (rqÀPÀë£ï jf¸ÀÖgï) | | | | |  | | | | | |
| N | D¸À£ÀUÀ¼ÀÄ, G¥ÀPÀgÀtUÀ¼ÀÄ ªÀÄÄAvÁzÀªÀÅUÀ¼À zÁ¸ÁÛ£ÀÄ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀ (zÁ¸ÁÛ£ÀÄ ¥Àj²Ã®£Á ªÀgÀ¢UÀ¼ÉÆA¢UÉ) | | | | |  | | | | | |
| O | «zÁåyðªÉÃvÀ£À ªÀÄvÀÄÛ ±ÀÄ®Ì jAiÀiÁAiÀÄw ¥ÀÄ¸ÀÛPÀUÀ¼ÀÄ (ªÁ¥À¸ÀÄ ªÀiÁqÀ¯ÁzÀ ºÀt, EzÀÝ°è, ¸ÉÃjzÀAvÉ) | | | | |  | | | | | |
| CA | UÀæAxÁ®AiÀÄ ¥ÀÄ¸ÀÛPÁAPÀUÀ¼ÀÄ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀ | | | | |  | | | | | |
| CB | F PÉ¼ÀV£ÀªÀÅUÀ½AzÀ ¥ÀqÉzÀ zsÀ£À¸ÀºÁAiÀÄªÀ£ÀÄß vÉÆÃj¸ÀÄªÀ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀ  1. «±Àé«zÁå¤®AiÀÄ zsÀ£À¸ÀºÁAiÀÄ DAiÉÆÃUÀ  2. PÉÃAzÀæ ¸ÀPÁðgÀ  3. gÁdå ¸ÀPÁðgÀ | | | | |  | | | | | |

**22. ‘ÑÄÙÓ£¹Ð ÊÑ·°Ð¹Ù–ÐÎÐÔ:**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| ƒ | »°ÐÅ³ÑÆÐ |  |
| „ | ’õÓ®Ù–ÐÎÐÔ |  |
| … | ƒ·°Ñô»Ð‘Ð¤Ð ÀÐÔ³ÐÔê Ë½ñ¸–ÐÎÐ ÊÑ·°Ð¹Ù–ÐÎÐÔ |  |

|  |
| --- |
| **Í¸¹Ð ÊÐ¦ÙÖÓ¡¹Ñ ÊÐÁÔ´ Á¸°Ë·Ð ÈÐ¤Ð³ÐÔê–ÐÎÐÔ:** |
| **C©ü¥ÁæAiÀÄUÀ¼ÀÄ** |
| **¥ÀÆgÉÊ¸À¨ÉÃPÁzÀ µÀgÀvÀÄÛUÀ¼ÀÄ** |
| **²¥sÁgÀ¸ÀÄìUÀ¼ÀÄ** |

**¸À»/-**

**CzsÀåPÀëgÀÄ**

**¸À«Äw ¸ÀzÀ¸ÀågÀÄUÀ¼À ¸À»:**

**1.**

**2.**

**3.**

**4.**